

SOUTH CENTRAL RAILWAY
SC DIVISION – ALERT ADVICE No. 05/2025

No.sfy-12/SC/AA-05/2025

Date: 02.04.2025

Sub: Engineering Officials - Summer Precautions.

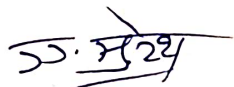
When weather changes from winter to summer variations in the rail temperatures are higher. It becomes essential to take summer precautions especially in LWR (Long Welded Rails). The sections are required to be inspected with a view to identify deficiencies in the form of missing fittings, ballast deficiency and consolidation etc., De-stressing must be carried out for the stretches of LWR based on their behaviour.

It is also essential to look after the SWR (Short Welded Rails) track and free rail track to ensure proper gaps at joints, gap survey, pulling back before the onset of summer. The following points need special attention during summer.

1. Deficiency of ballast in LWR & newly created welded rail sections should be made good before the onset of summer.
2. Ensure proper profile of ballast on LWR section which may need balancing of ballast.
3. Dressing up of ballast to the required ballast profile (up to rail head boxing), especially at bridge and LC approaches and places where pedestrian/cattle crossing.
4. De-stressing the LWRs based on behavior and stretches of LWR where renewals/deep screening had been carried recently stretches where new LWRs have been laid.
5. Locations where de-stressing was done at lower temperatures than as specified in the LWR Manual should be de-stressed once again at the standard rail temperature.
6. Recoupmnt of fittings to ensure Zero missing Fittings in theft prone locations after theft report submitted to RPF staff by the Keyman.
7. Awareness to be brought among the **P. way Staff about DO's and DON't's as mentioned vide Fly Leaf No.02/2023 Hqs**, while working of LWR and they shall be in possession of competency certificate after training (Para 6.2 and 6.3 of LWR Manual).
8. Special watch on sections where deep screening works are on hand, strict adherence to the Manual provisions.
9. All the Gangs should have rail thermometers and its accuracy should be checked frequently by the Inspecting Officials.
10. Knowledge of the Gangs in rules should be tested particularly with regard to the limit of rail temperature in different colours painted. They should also be trained as to what action is to be taken when the temperature is high.
11. JE/SSE/P.Way should ensure gaps at all the rail joints in the morning in all such locations.
12. Push trolley Inspection of complete section should be done as per schedule by JEs/SSEs-P. Way and ADEN to assess the behavior of LWR, fastenings etc.,

13. LWR details fed in TMS should be scrutinized and de-stressing of LWR/CWR , undertaken where necessary based on inspection of SEJs as per schedule.
14. Switch Expansion Joints (SEJ) should be oiled & greased once in 15 days as per IRPWM Para No.345.6(a).

The above instructions may be given wide publicity and counsel the staff accordingly to avoid unusual incidents during train operations. Hence, every effort to be made to avoid unusual incidences.


[[ए. सुरेश]
वरि. मंसंधि/सिकं
[A. Suresh]
Sr. DSO/SC

Copy: DRM/SC for kind information.
ADRM/O and ADRM/I for kind information.
Engineering Branch Officers for information and necessary action.
All Field Supervisors for information and necessary action.



दक्षिण मध्य रेलवे

सिकंदराबाद मंडल – चेतावनी सूचना सं. 05/2025

सं.एसएफवाई-12/एससी/एए-05/2025

दिनांक: 02.04.2025

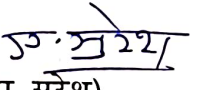
विषय: इंजीनियरी पदाधिकारी – ग्रीष्मकालीन पूर्वोपाय.

जब मौसम सर्दियों से गर्मियों में बदलता है, तो रेल तापमान में बदलाव अधिक होता है. विशेष रूप से LWR (Long Welded Rails) में गर्मियों में सावधानी बरतना आवश्यक हो जाता है. लापता फिटिंग, बलास्ट की कमी और समेकन आदि के रूप में कमियों की पहचान करने की दृष्टि से सेक्शन का निरीक्षण किया जाना आवश्यक है. उनके व्यवहार के आधार पर एलडब्ल्यूआर के विस्तार के लिए डी-स्ट्रेसिंग की जानी चाहिए.

गर्मियों की शुरुआत होने से पहले जाइंटों में उचित गैप, गैप सर्वे, पुलिंग बैक सुनिश्चित करने के लिए SWR (शॉर्ट वेल्डेड रेल) ट्रैक और फ्री रेल ट्रैक की देखभाल करना भी आवश्यक है. गर्मियों के दौरान निम्नलिखित पाइंटों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है.

1. गर्मी की शुरुआत से पहले एलडब्ल्यूआर और नए निर्मित वेल्डेड रेल सेक्शनों में बलास्ट की कमी को पूरा किया जाना चाहिए.
2. एलडब्ल्यूआर सेक्शन पर बलास्ट की उचित प्रोफाइल सुनिश्चित करें जिसके लिए बलास्ट के संतुलन की आवश्यकता है.
3. आवश्यक बलास्ट प्रोफाइल (रेल हेड बॉक्सिंग तक) के अनुसार बलास्ट की ड्रेसिंग करना, विशेष रूप से पुल और समपार फाटक के पहुंच पर और उन स्थानों पर जहां पैदल यात्री/मवेशी क्रासिंग करते हैं.
4. एलडब्ल्यूआर के व्यवहार और विस्तार के आधार पर एलडब्ल्यूआर की डी-स्ट्रेसिंग करना जहां हाल ही में नवीकरण/गहन स्क्रीनिंग की गयी है, जहां नए एलडब्ल्यूआर बिछाए गए हैं.
5. जिन स्थानों पर एलडब्ल्यूआर मैनुअल में निर्दिष्ट तापमान से कम तापमान पर डी-स्ट्रेसिंग की गयी थी, उन्हें मानक रेल तापमान पर एक बार फिर से डी-स्ट्रेस किया जाना चाहिए.
6. कीमैन द्वारा रेसुब कर्मचारी को चोरी की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद चोरी की संभावनावाले स्थानों में ज़िरो मिसिंग फिटिंग सुनिश्चित करने के लिए फिटिंगों की रीकूपमेंट.
7. एलडब्ल्यूआर के काम करते समय, प्रधान कार्यालय के फ्लाइंग लीफ सं. 02/2023 के अंतर्गत उल्लिखित क्या करें और क्या न करें के बारे में रेलपथ कर्मचारियों के बीच जागरूकता लायी जाए और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनके पास सक्षमता प्रमाणपत्र होना चाहिए. (एलडब्ल्यूआर नियमावली का पैरा 6.2 और 6.3).
8. उन सेक्शनों पर विशेष नज़र रखें जहां गहन स्क्रीनिंग चल रहा है, नियमावली में दिए गए प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाए.
9. सभी गैंग के पास रेल थर्मामीटर होने चाहिए और निरीक्षण कर्ता अधिकारियों द्वारा इसकी सटीकता की बार-बार जांच की जानी चाहिए.
10. गैंग की नियमों में जानकारी की परीक्षा ली जानी चाहिए विशेष रूप से विभिन्न रंगों में पेंट किए गए रेल तापमान की सीमा के संबंध में. उन्हें यह भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि तापमान अधिक होने पर क्या कार्रवाई करनी है.
11. जेई/एसएसई/रेलपथ को ऐसे सभी स्थानों में सुबह के समय सभी रेल जाइंटों में गैप सुनिश्चित करना चाहिए.

12. एलडब्ल्यूआर के व्यवहार, जकड़ आदि का आकलन करने के लिए जेई/एसएसई - रेलपथ और समंजसी द्वारा निर्धारित किए अनुसार पूरे सेक्शन का पुश ट्राली निरीक्षण किया जाए.
13. टीएमएस में दिए गए एलडब्ल्यूआर विवरणों की जांच की जानी चाहिए और कार्यक्रम के अनुसार एसईजे के निरीक्षण के आधार पर जहां आवश्यक हो वहां एलडब्ल्यूआर/सीडब्ल्यूआर की डी-स्ट्रेसिंग की जानी चाहिए.
14. आईआरपीडब्ल्यूएम पैरा नं. 345.6(ए) के अनुसार 15 दिन में एक बार स्विच एक्सपैंशन जाइंटों (एसईजे) को तेल या ग्रीस लगाना चाहिए.
उपर्युक्त अनुदेशों का व्यापक प्रचार किया जाए और तदनुसार कर्मचारियों को परामर्श दिया जाए चाहिए ताकि गाड़ी प्रचालनों के दौरान असाधारण घटनाओं से बचा जा सके. अतः असाधारण घटनाओं से बचने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए.


(ए. सुरेश)

वमंसंधि/सिकंदराबाद

प्रतिलिपि: मंरेप्र/सिकंदराबाद को सूचनार्थ.

अमंरेप्र/प्रचा और अमंरेप्र/इन्फ्रा को सूचनार्थ.

इंजीनियरी शाखा अधिकारियों को सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए.

सभी फील्ड पर्यवेक्षकों को सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए.